

Need to control population in the country

SHRI DARA SINGH (Nominated): India today ranks first in the total number of child deaths, with 2.4 million dying before the age of five whereas China with a higher population base, ranks third with 0.78 million child deaths. It is a fact that good health of a mother alone can give birth to a healthy child. China had controlled its population by introducing strict laws which have helped them to become a healthy nation, and its young sportsmen have surprised the whole world by winning a good number of gold medals in recently held Olympic games. We also have the potential to become a great nation only if we control the population explosion because otherwise the fruits of development will never be real. So far, our policies and programmes to control the population in the country have failed. My humble suggestion to the Central Government is to make strict laws like China, as without laws, we cannot control the population. I wish our nation may become a healthy and an educated one, and our sportsmen may earn good name in the international sport events. Our children should be looked after properly. Thank you.

श्री रुद्रनारायण पाणि (उड़ीसा) : मैं अपने आपको इस स्पेशल मेशन से संबद्ध करता हूँ।

Need to bear the entire cost of Mid-day meal in Uttar Pradesh by the Central Government

श्री नन्द किशोर यादव (उत्तर प्रदेश) : सर, भारत वर्ष की जनगणना 2001 के अनुसार उत्तर प्रदेश साक्षरता में सबसे पिछड़े राज्यों में से हैं। प्रदेश की साक्षरता 57% है। राज्य सरकार द्वारा प्राथमिक शिक्षा पर वर्तमान में लगभग 4500 करोड़ रुपया प्रतिवर्ष व्यय किया जा रहा है। केन्द्र सरकार प्राथमिक शिक्षा पर हो रहे कुल व्यय का केवल 10% व्यय कर रही है। सीमित संसाधनों पर बढ़ते हुए दबाव के कारण, राज्य सरकार प्राथमिक शिक्षा पर वर्तमान में हो रहे व्यय भार को बनाये रखने की स्थिति में नहीं है।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 28.11.2001 के अनुपालन में, मध्याह्न भोजन योजना के अंतर्गत पका-पकाया भोजन 200 दिन बच्चों को उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश में कक्षा 1 से 5 तक प्राथमिक शिक्षा के अंतर्गत कुल 93187 विद्यालय हैं। इस योजना के अंतर्गत इस पर कुल 340 करोड़ का व्यय भार आएगा। केन्द्र सरकार द्वारा अंगीकार किए गए न्यूनतम साझा कार्यक्रम के अंतर्गत इस आशय की प्रतिबद्धता है कि प्राथमिक तथा माध्यमिक विद्यालयों में राष्ट्रीय पौष्टिक मध्याह्न भोजन की योजना प्रारम्भ की जाएगी, जिसका वित्त पोषण मुख्यतः केन्द्र करेगा।

अतः प्रदेश की आर्थिक स्थिति को देखते हुए मध्याह्न भोजन योजना के अंतर्गत समस्त व्यय भार भारत सरकार द्वारा वहन किया जाए। धन्यवाद।

Need for full-fledged aviation facilities at the Sural Airport in Gujarat

श्रीमती सविता शारदा (गुजरात) : सर, अब तक यह स्थापित हो चुका है कि सूरत शहर विश्व के सबसे अधिक विकासोन्मुख शहरों में से एक है। इसकी जनसंख्या 40 लाख को पार कर चुकी है। यह वस्त्रोद्योग, जरी-उद्योग, हीरा-उद्योग, ज्वेलरी-उद्योग का प्रमुख केन्द्र है। यहां की हजीरा क्षेत्र में कृभकों, रिलायन्स, ओ0एन0जी0सी0, मगदल्ला पोर्ट, लार्सन-टूब्रों, एस्सार जैसे महाकाय उद्योग हैं। यहां के व्यापारी सारी दुनिया के देशों में व्यापार के लिए और सैर के लिए जाते हैं। दिल्ली, अमृतसर, मुम्बई, कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद जाने वालों को ट्रेनों में जगह ही नहीं मिलती और समय भी बहुत लगता है। अतः वहां से इन सब के लिए हवाई सेवा अत्यावश्यक हो गयी है।

पिछले कई वर्षों के प्रयासों के कारण सूरत में एक छोटा एयरपोर्ट कार्यरत हुआ है, परन्तु यह केवल छोटे हवाई जहाजों के लिए, और वह भी दिन में, अच्छे हवामान में ही, काम कर सकता है। सूरत जाने का अनुभव गुजरात के और बाहर के सभी नेताओं, सांसदों, अधिकारियों और मंत्रियों ने किया होगा। दो-तीन कम्पनियों ने कुछ माह के लिए हवाई सेवा देने का प्रयास किया, परन्तु असुविधाओं के कारण बन्द करना पड़ा। आपने पढ़ा ही होगा कि डेक्कन-एयरवेज की सेवा का उदघाटन माननीय वस्त्र मंत्री के द्वारा तय हुआ था, परन्तु पूरी तैयारी न होने के कारण, वर्षा का बहाना लेकर रद्द करना पड़ा था। आज भी न वहां पट्टी लंबी या चौड़ी की जा रही है, न कोई टर्मिनल बिल्डिंग की तैयारी दिख रही है और न ही नाइट-लैंडिंग की फैसिलिटी में कोई प्रगति की गई है। आम यात्री के लिए प्राथमिक सुविधा भी नहीं है।

क्या सरकार हमें स्वप्न ही दिखाती रहेगी? क्या यह सुविधा सूरतवासियों को मिलते हम अपनी आँखों से देख सकेंगे?

महोदय, मैं आपके माध्यम से, सरकार से, गुजारिश करना चाहूंगी कि शीघ्रातिशीघ्र सूरत की हवाई पट्टन का कार्य समय-सीमा के अंतर्गत करवाने का प्रयत्न करें। धन्यवाद।